भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 762
दिनांक 24.07.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

पंजाब में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

†762. श्री मलविंदर सिंह कंगः

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) का विस्तार करने और उसके अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण जल उपलब्ध कराने के लिए कोई अतिरिक्त कदम उठाए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत दो वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान पंजाब में उक्त मिशन के अंतर्गत कितने गाँवों और परिवारों को शामिल किया गया और लाभान्वित किया गया;
(ग) वर्तमान वर्ष के दौरान उक्त मिशन के अंतर्गत स्वीकृत और आवंटित धनराशि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या सरकार ने उक्त मिशन के अंतर्गत पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों में कोई सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम लागू किया है; और
(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति
(श्री वी. सोमण्णा)

(क) और (ख) भारत सरकार अगस्त 2019 से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम) का कार्यान्वयन कर रही है ताकि देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पर्याप्त मात्रा में, निर्धारित गुणवत्ता के साथ और नियमित एवं दीर्घकालिक आधार पर पीने योग्य नल जल उपलब्ध कराया जा सके। जेजेएम-आईएमआईएस के अनुसार, पंजाब राज्य को अप्रैल 2023 में सभी 34.27 लाख ग्रामीण परिवारों हेतु 100% कार्यशील पारिवारिक नल कनेक्शन (एफएचटीसी) के साथ हर घर जल घोषित किया गया, जिससे 11,977 ग्रामीण गांवों को लाभ हुआ।

(ग) वित्त वर्ष 2025-26 में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है।

(घ) और (ङ) जी हाँ। पंजाब राज्य सरकार ने जागरूकता अभियानों, सामुदायिक सहभागिता और प्रौद्योगिकी के उपयोग के माध्यम से सुरक्षित पेयजल, स्वच्छता और सफाई को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) गतिविधियाँ की हैं। पंजाब ने "हर घर जल उत्सव", "स्वच्छता ही सेवा" और "कैच द रेन" जैसी पहलों के ज़रिए जल की गुणवत्ता, स्वच्छता व्यवहारों और जल संरक्षण के बारे में जागरूकता का प्रसार किया है।

उपरोक्त के अलावा, दीवार लेखन, होर्डिंग, सूचना पट्ट, नुक्कड़ नाटक, सोशल मीडिया अभियान और व्हाट्सएप तथा ब्लॉग जैसी तकनीक-आधारित आउटरीच जैसी अन्य आईईसी गतिविधियों ने इसके प्रभाव को और बढ़ाया है, जिससे राज्य भर में विवेकपूर्ण जल उपयोग और स्वच्छता व्यवहार में बदलाव को बढ़ावा मिला है।

*****